पत्राचार पाठ्यक्रम स्कूल, दिल्ली

2754. श्री तारिक अन्वर :
श्री हीरा लाल आर० परमार :

क्या शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को दिल्ली विश्वविद्यालय के पत्राचार पाठ्यक्रम स्कूल की अकुशलता के बारे में जानकारी है ;

(ख) क्या छात्रों को अध्ययन सामग्री सामान्यतः समय पर नहीं भेजी जाती है;

(ग) क्या कई महीनों तक छात्रों की उत्तर पुस्तिकायें छात्रों को सामान्यतः वापस नहीं की जाती हैं; और

(घ) पत्राचार पाठ्यक्रम स्कूल की कार्यकरण क्षमता में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाने का विचार है ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री (श्री एस० बी० चह्वाण) : (क) से (ग). दिल्ली विश्वविद्यालय से प्राप्त सूचना के अनुसार, हालांकि पत्राचार पाठ्यक्रम तथा सतत शिक्षा स्कूल में दाखिलों की औपचारिक अनुमति नियमित कालेजों के साथ-साथ ही दी जाती है किन्तु कालेजों में स्थान भर जाने के बाद ही ये स्कूल दाखिले देते हैं। इसके परिणामस्वरूप अधिकांश दाखिले वर्ष के 14 अगस्त के बाद ही होते हैं और 14 अक्तूबर तक चलते हैं। पाठों का प्रेषण इसके बाद ही शुरू होता है। सारे शैक्षिक वर्ष के दौरान प्रत्येक कक्षा के लिए अध्ययन सामग्री चार सैटों में भेजी जाती है और छात्रों से प्राप्त उत्तर पुस्तिकाए उन्हें समय पर वापस कर दी जाती हैं।

(घ) किसी भी संस्था के कार्यकरण में और अधिक सुधार की गुंजाइश हमेशा ही रहती है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, वि० अ० आ० द्वारा नियुक्त समिति ने पाठ तैयार करने तथा उनके प्रेषण के सम्बन्ध में किफायती उपायों की सिफारिश की थी। मार्ग दर्शन की दृष्टि से इन्हें स्कूल के ध्यान में ला दिया गया है।

पब्लिक स्कूल

2755. श्री तारिक अनवर : क्या शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में पब्लिक स्कूलों की संख्या क्या है तथा उन स्थानों तथा राज्यों के नाम क्या हैं जहां वे स्थित हैं ;

(ख) पिछले तीन वर्षों में खोले गए पब्लिक स्कूलों की वर्षवार संख्या क्या है; और

(ग) क्या पब्लिक स्कूल खोलने के लिए केन्द्रीय/राज्य सरकार की अनुमति लेनी पड़ती है ?